गंगा नौवहन चैनल को स्थरि करने हेतु IIT और IWAI के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

चर्चा में क्यों?

हाल ही में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान **(IIT)** रुड़की ने वाराणसी से साहबिगंज तक गंगा नदी के एक खंड के साथ 17 स्थानों पर नौवहन चैनल के स्थरीकरण के लयि भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधकिरण **(IWAI)** के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर कयि हैं। यह जल शक्ति मंत्रालय द्वारा प्रायोजति संस्थान के सविलि इंजीनयिरगि वभािग द्वारा गंगा के एक पूर्व रूपात्मक अध्ययन का अनुसरण करता है।

प्रमुख बदिु

- इस परयिोजना के तहत आईआईटी रुड़की राष्ट्रीय जलमार्ग-1 **(NW-1)** पर नेवगिशन की क्षमता बढ़ाने के लयि पर्यावरण के अनुकूल तकनीकों के साथ नेवगिशन चैनल के वकिास हेतु गंगा नदी के कनिारे 17 स्थानों पर चैनल स्थरीकरण का (नदी प्रशक्षिण) कार्य करेगा।
- यह कार्य **IAWI** की चल रही जल मार्ग वकिास परयिोजना **(JMVP)** का एक हस्सिा है, जो वशि्व बैंक द्वारा प्रायोजति है।
- जेएमवीपी सड़कों और रेलवे जैसे अन्य सतह परविहन साधनों के साथ एकीकरण के अवसरों के नरि्माण एवं सुधार की परकिल्पना करता है, ताकि वभिन्नि अच्छी तरह से सुसज्जति टर्मनिलों और घाटों के माध्यम से जलमार्गों को जोड़कर रसद शृंखला की समग्र दक्षता में सुधार कयिा जा सके।
- इस अवसर पर आईआईटी रुड़की के नदिशक प्रोफेसर अजीत के. चतुर्वेदी ने कहा कि यह सहयोग राष्ट्र के जलमार्गों की उन्नति सुनश्चिति करेगा और वशिेष रूप से पूरे गंगा बेल्ट में रहने वाले कसिानों एवं लोगों को लाभान्वति करेगा।
- यह छोटे पैमाने के उद्योगों के वकिास को बढ़ावा देगा, रोज़गार के अवसर पैदा करेगा और कार्गो के परविहन की सुवधिा प्रदान करेगा। इस प्रकार छोटे जेटीस **(Jetties)** के माध्यम से रसद में सुधार होगा, जसिसे क्षेत्र का समग्र वकिास होगा।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/mou-signed-between-iit-and-iwai-to-stabilize-ganga-shipping-channel